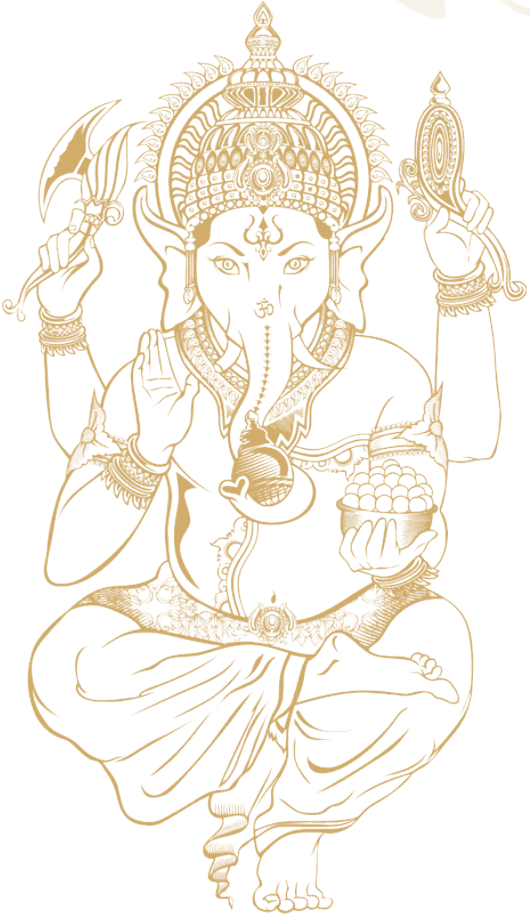

Mr.shaurya

19 Oct 2018

03:57 PM

Sirsa

Model: web-freekundliweb

Order No: 119244109

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/10/2018**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**15:57:00 घंटे**
इष्ट	23:27:57 घटी
स्थान	**Sirsa**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:32:00 उत्तर
रेखांश	75:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:27:16 घंटे
वेलान्तर	00:15:01 घंटे
साम्पातिक काल	17:18:40 घंटे
सूर्योदय	06:33:49 घंटे
सूर्यास्त	17:55:23 घंटे
दिनमान	11:21:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:52:12 तुला
लग्न के अंश	21:02:53 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	गण्ड
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गूजरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	21:02:53	511:59:57	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
सूर्य			तुला	01:52:12	00:59:35	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			कुंभ	00:57:21	11:55:49	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			मक	20:14:56	00:30:46	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	उच्च राशि
बुध			तुला	19:58:53	01:26:29	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	01:35:37	00:12:23	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
शुक्र	व	अ	तुला	13:06:40	00:30:21	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि			धनु	09:53:34	00:03:58	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
राहु	व		कर्क	08:02:57	00:02:44	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	08:02:57	00:02:44	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	06:37:44	00:02:27	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	---
नेप	व		कुंभ	19:56:26	00:01:07	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	---
प्लूटो			धनु	24:43:29	00:00:33	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
दशम भाव			वृश्चि	26:23:12	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	गुरु	--

व - वक्री   स - स्थिर
अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:55

लग्न-चलित

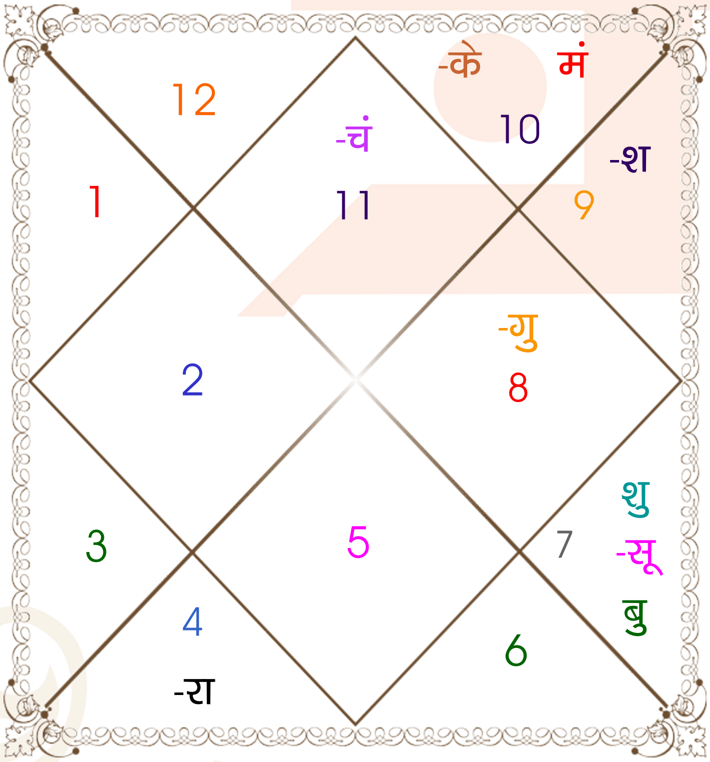

चन्द्र कुंडली

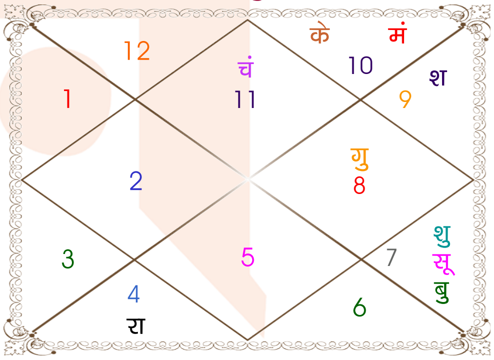

नवमांश कुंडली

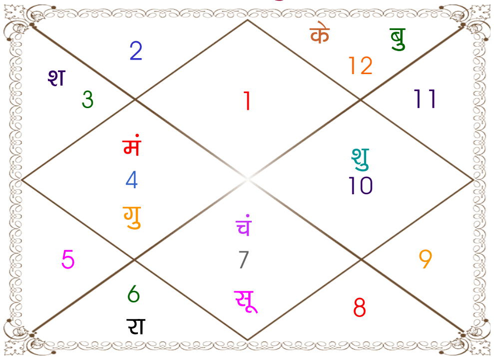

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 11 मास 29 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
19/10/2018		18/10/2021		19/10/2039		19/10/2055		19/10/2074	
18/10/2021		19/10/2039		19/10/2055		19/10/2074		19/10/2091	
	00/00/0000	राहु	30/06/2024	गुरु	06/12/2041	शनि	22/10/2058	बुध	16/03/2077
	00/00/0000	गुरु	24/11/2026	शनि	18/06/2044	बुध	01/07/2061	केतु	13/03/2078
	00/00/0000	शनि	30/09/2029	बुध	24/09/2046	केतु	09/08/2062	शुक्र	11/01/2081
	19/10/2018	बुध	18/04/2032	केतु	31/08/2047	शुक्र	09/10/2065	सूर्य	18/11/2081
बुध	16/04/2019	केतु	07/05/2033	शुक्र	01/05/2050	सूर्य	21/09/2066	चंद्र	19/04/2083
केतु	12/09/2019	शुक्र	07/05/2036	सूर्य	17/02/2051	चंद्र	21/04/2068	मंगल	15/04/2084
शुक्र	11/11/2020	सूर्य	31/03/2037	चंद्र	18/06/2052	मंगल	31/05/2069	राहु	03/11/2086
सूर्य	19/03/2021	चंद्र	30/09/2038	मंगल	25/05/2053	राहु	06/04/2072	गुरु	08/02/2089
चंद्र	18/10/2021	मंगल	19/10/2039	राहु	19/10/2055	गुरु	19/10/2074	शनि	19/10/2091

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/10/2091		19/10/2098		20/10/2118		19/10/2124		20/10/2134	
19/10/2098		20/10/2118		19/10/2124		20/10/2134		00/00/0000	
केतु	16/03/2092	शुक्र	18/02/2102	सूर्य	06/02/2119	चंद्र	19/08/2125	मंगल	18/03/2135
शुक्र	16/05/2093	सूर्य	18/02/2103	चंद्र	08/08/2119	मंगल	20/03/2126	राहु	04/04/2136
सूर्य	21/09/2093	चंद्र	19/10/2104	मंगल	14/12/2119	राहु	19/09/2127	गुरु	11/03/2137
चंद्र	22/04/2094	मंगल	19/12/2105	राहु	06/11/2120	गुरु	18/01/2129	शनि	20/04/2138
मंगल	18/09/2094	राहु	19/12/2108	गुरु	25/08/2121	शनि	20/08/2130	बुध	20/10/2138
राहु	07/10/2095	गुरु	20/08/2111	शनि	07/08/2122	बुध	19/01/2132		00/00/0000
गुरु	11/09/2096	शनि	20/10/2114	बुध	14/06/2123	केतु	19/08/2132		00/00/0000
शनि	21/10/2097	बुध	19/08/2117	केतु	20/10/2123	शुक्र	20/04/2134		00/00/0000
बुध	19/10/2098	केतु	20/10/2118	शुक्र	19/10/2124	सूर्य	20/10/2134		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 11 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद के प्रथम चरण में कुंभ लग्न, मेष नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण में हुआ था। समन्वित जन्म लग्नादि आकृति से यह निर्दिष्ट हो रहा है कि आपका जीवन सुखद रहेगा। ऐसी आशा है कि आप पर जन्म लग्न का प्रभाव उत्तम प्रकार पड़ेगा तथा आप प्रभावित होकर प्रतिरक्षा की सेवा में उच्च स्तर तक उन्नति कर सकते हैं।

आप में सभी प्रकार के नेतृत्व करने के गुण-विद्यमान हैं। परंतु आपका हृदय अर्थात् आपका स्वभाव गर्म नहीं है। आपका आचरण प्रतिकूल नहीं है। आप में मानवता है तथा आप सदैव दूसरों के लिए सहायक हैं। आप स्वभाव से वाचाल हैं। आप अपने शिष्यों पर अच्छा प्रभाव रखते हो एवं आप अपने सगे संबंधियों एवं मित्र से युक्त रह कर प्रसन्न रहते हो।

आप एक विश्वासी और आलस्य से मुक्त रहते हो। आप अत्यंत संवेदनशील एवं शीघ्रता पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने वाले हो। आप अपना दायित्व सुव्यवस्थित ढंग से शीघ्रता पूर्वक निभाते हैं। आप सपत्नीक अपना अधिकार एवं संपत्ति को ध्यान में रख कर धन उर्पाजन हेतु प्रयत्नशील रहते हो। आप धनी बनने में सफल हो जाओगे।

आप संवेदनशील विषयों के प्रति रूचिवान रहते हो। प्रस्तुत छवि के अनुसार आप स्वभाव से एक दम परम्परागत प्राणी लगते हो। आप विवेकशील एवं स्वच्छ हृदय के प्राणी हों। आप किसी भी तथ्य की भली प्रकार गहराई से अध्ययन करते हो एवं नवीनतम प्रक्रिया तथा प्रभावशाली ढंग से उस कार्य को संचालित करते हो। आप में एक अच्छे नेतृत्व के गुण विद्यमान हैं। आप इस स्रोत से क्या लाभ या हानि होगा। इसका परीक्षण कर सकते हों।

आप अपनी पत्नी के साथ मात्र संभोगात्मक भावना से ही व्यवहार नहीं करते परंतु सर्वथा अपनी पत्नी की अभिव्यक्ति को समझने एवं उसकी राय को महत्त्व देने के लिए तत्पर रहते हो।

आप एक सुव्यवस्थित पारिवारिक जीवन बिताना चाहते हैं तथा पत्नी एवं बच्चों के सुखमय जीवन व्यतीत करने के लिए बहुत अधिक मात्रा में सुव्यवस्था करते हो।

आप अपने कार्य व्यवसाय हेतु संबंधित कार्य यथा भाषा कार्य, धर्म दर्शन शास्त्र, ज्योतिषीय, शिक्षण कार्य, वकालत एवं राजनीति कार्य में से किसी कार्य को अपनी इच्छानुसार चयन कर सकते हो।

किसी भी प्रकार से आपका स्वास्थ्य सदैव उत्तम रहेगा तथा आप इसें किसी भी प्रकार से आपत्तिजनक नहीं समझते हो। आप उत्तम स्वास्थ्य बनाए रखेंगे। परंतु जब आपकी आयु अधिक हो जाएगी तब ऐसा हो सकता है कि जॉनडिस, रक्तचाप, हृदय संबंधी दिक्कतें से आप अद्योगति को प्राप्त हो जाएं। इन रोगादिक कारणों से यह सुनिश्चित नहीं है कि आप प्रभावित हो जाएं। परंतु यह विचारणीय है कि इन संभावनाओं के प्रति सुरक्षात्मक कदम समय से पूर्व उठाना चाहिए।

अतएव कुंभ राशीय प्रभाव के अनुसार बार-बार सर्दी जुकाम, अथवा शीत जनित प्रभाव के रोगादि से संभलकर रहना चाहिए तथा इन बिंदुओं पर चिकित्सक की राय सदैव लेते रहना चाहिए। आपको सर्वथा विश्रांति ग्रहण भी करते रहना चाहिए।

आप उत्तेजनात्मक प्रवृति के उच्च स्तरीय साहसी व्यक्ति हैं। आप अनेक मित्रों से भली प्रकार संबंधित रहते हैं तथा आपके लिए उनका संबंध उत्तम है। अतएव आपमें ऐसी आदत नहीं है कि आप अन्यों के साथ किसी भी प्रकार का भ्रामक आचरण करें। आप सुविख्यात हैं। परंतु आपको सतर्कता बरतनी चाहिए, क्योंकि कुछ व्यक्ति आपकों जन सामान्य के साथ अधिक संलग्न समझकर आपकें विरुद्ध अविश्वासनीयता का प्रदर्शन कर सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं अत्यधिक लाभकारी दिन बुधवार शनिवार एवं शुक्रवार का दिन हैं। शेष रविवार, मंगलवार, एवं सोमवार का दिन आपके लिए बाधित एवं प्रतिकूल दिन हैं।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में उत्तम एवं महत्वपूर्ण रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु हर दशा में नारंगी रंग, हरा एवं ब्लू रंग अव्यवहरणीय है।